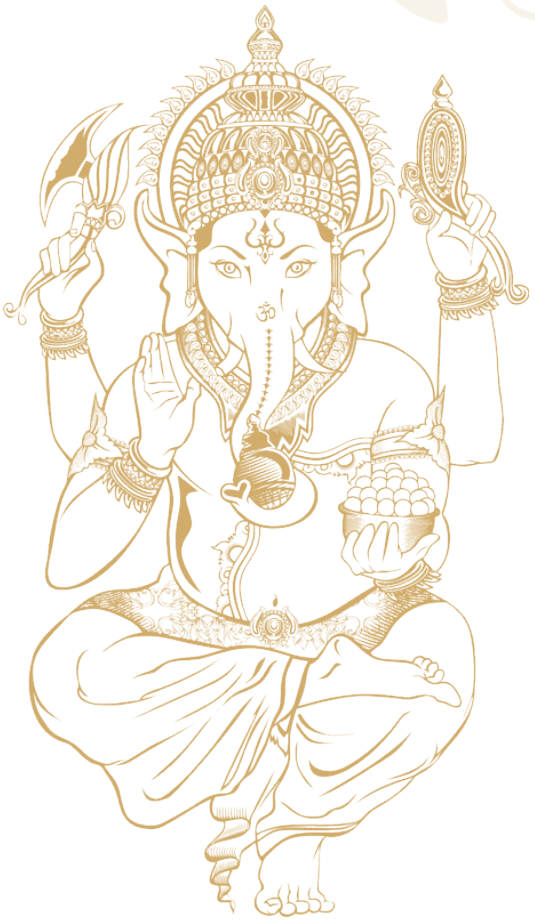

Anshu rai

21 Jun 2003

03:52 PM

Darjeeling

Model: web-freekundliweb

Order No: 121124408

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/06/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:52:00 घंटे**
इष्ट	27:52:11 घटी
स्थान	**Darjeeling**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	27:02:00 उत्तर
रेखांश	88:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:15:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	10:12:10 घंटे
सूर्योदय	04:43:07 घंटे
सूर्यास्त	18:33:28 घंटे
दिनमान	13:50:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	05:44:54 मिथुन
लग्न के अंश	01:19:16 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:19:16	309:28:05	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			मिथु	05:44:54	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मीन	03:41:12	12:16:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			कुंभ	07:52:40	00:23:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
बुध			वृष	20:01:03	01:51:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:15:34	00:10:49	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृष	19:50:48	01:13:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	08:20:00	00:07:48	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:10:13	00:00:17	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:10:13	00:00:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:50:23	00:00:40	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:56:40	00:01:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:23:48	00:01:34	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			सिंह	07:05:35	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:06

लग्न-चलित

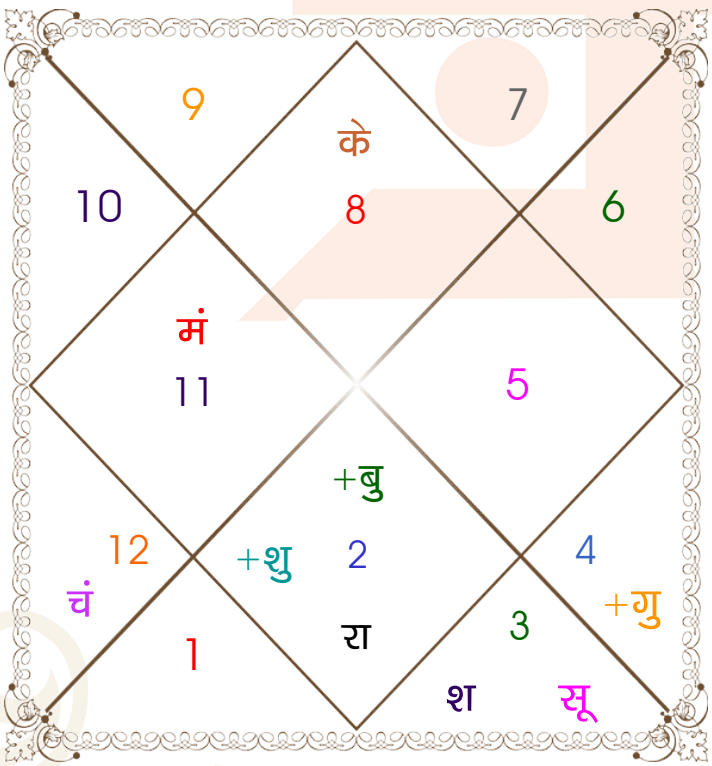

चन्द्र कुंडली

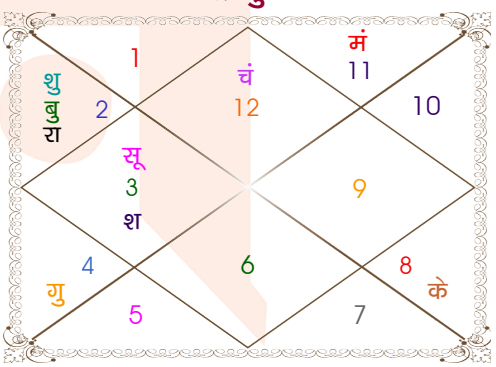

नवमांश कुंडली

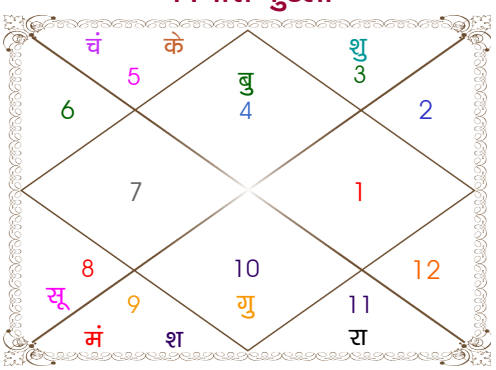

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 5 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
21/06/2003		19/12/2021		19/12/2038		19/12/2045		19/12/2065	
19/12/2021		19/12/2038		19/12/2045		19/12/2065		19/12/2071	
शनि	22/12/2005	बुध	17/05/2024	केतु	17/05/2039	शुक्र	19/04/2049	सूर्य	08/04/2066
बुध	31/08/2008	केतु	14/05/2025	शुक्र	16/07/2040	सूर्य	20/04/2050	चंद्र	07/10/2066
केतु	10/10/2009	शुक्र	14/03/2028	सूर्य	21/11/2040	चंद्र	19/12/2051	मंगल	12/02/2067
शुक्र	10/12/2012	सूर्य	18/01/2029	चंद्र	22/06/2041	मंगल	18/02/2053	राहु	07/01/2068
सूर्य	22/11/2013	चंद्र	20/06/2030	मंगल	19/11/2041	राहु	18/02/2056	गुरु	25/10/2068
चंद्र	23/06/2015	मंगल	17/06/2031	राहु	07/12/2042	गुरु	19/10/2058	शनि	07/10/2069
मंगल	01/08/2016	राहु	03/01/2034	गुरु	13/11/2043	शनि	19/12/2061	बुध	13/08/2070
राहु	08/06/2019	गुरु	10/04/2036	शनि	22/12/2044	बुध	19/10/2064	केतु	19/12/2070
गुरु	19/12/2021	शनि	19/12/2038	बुध	19/12/2045	केतु	19/12/2065	शुक्र	19/12/2071

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/12/2071		19/12/2081		19/12/2088		20/12/2106		20/12/2122	
19/12/2081		19/12/2088		20/12/2106		20/12/2122		00/00/0000	
चंद्र	19/10/2072	मंगल	17/05/2082	राहु	01/09/2091	गुरु	06/02/2109	शनि	22/06/2123
मंगल	20/05/2073	राहु	05/06/2083	गुरु	24/01/2094	शनि	21/08/2111		00/00/0000
राहु	19/11/2074	गुरु	10/05/2084	शनि	30/11/2096	बुध	26/11/2113		00/00/0000
गुरु	20/03/2076	शनि	19/06/2085	बुध	20/06/2099	केतु	01/11/2114		00/00/0000
शनि	19/10/2077	बुध	17/06/2086	केतु	08/07/2100	शुक्र	02/07/2117		00/00/0000
बुध	21/03/2079	केतु	13/11/2086	शुक्र	09/07/2103	सूर्य	21/04/2118		00/00/0000
केतु	20/10/2079	शुक्र	13/01/2088	सूर्य	02/06/2104	चंद्र	21/08/2119		00/00/0000
शुक्र	19/06/2081	सूर्य	20/05/2088	चंद्र	02/12/2105	मंगल	27/07/2120		00/00/0000
सूर्य	19/12/2081	चंद्र	19/12/2088	मंगल	20/12/2106	राहु	20/12/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 6 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।